हमारी सरकार की कार्यवाही से पेपरलीक की कलई खुली- मुख्यमंत्री

'कार्रवाही पूर्व मुख्यमंत्री के पीएसओ तक पहुंच चुकी, आगे और मगरमच्छ पकड़े जायेंगे'

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोडारायसिंह में जनसभा में कहा कि 2021 के पेपरलीक पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 2023 तक कोई कार्रवाही नहीं की। हमारी सरकार ने आते ही 16 दिसम्बर को एसआईटी का गठन किया।**

जयपुर, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोडारायसिंह में आयोजित जनसभा में कहा कि कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा किया। हमारी सरकार पूर्ववर्ती सरकार के दौरान सरकारी नौकरी की भर्तियों में हुए पेपरलीक एवं फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पिछली सरकार के दौरान फर्जीवाड़ा करके नौकरी लगने वाले पकड़े जा रहे हैं और उनकी कलई लगातार खुलती जा रही है।

शर्मा ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पर हाईकोर्ट के फैसले के संबंध में कहा कि यह वर्ष 2021 की भर्ती थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने इस भर्ती के पेपरलीक को लेकर वर्ष 2023 तक कोई कार्रवाई नहीं की और युवाओं के साथ कुठाराघात किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के गठन के साथ ही हमने 16 दिसंबर को एसआईटी का गठन किया। जिसके परिणामस्वरूप एसओजी ने 56 ट्रेनी एसआई के साथ ही कई दोषियों को पकड़ा। हमारी सरकार की कार्रवाई ने इस फैसले का आधार बनाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पेपरलीक के खिलाफ कार्रवाई पूर्व मुख्यमंत्री के पीएसओ तक पहुंच चुकी है। आगे और भी मगरमच्छ पकड़े जाएंगे।

उत्तराखंड में बादल फटने से 5 की मौत

नई दिल्ली, 29 अगस्त। उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने से कई जिलों में भूस्खलन हुआ है, जिसके कारण कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग लापता हैं। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। रातभर हुई बारिश ने घरों को नुकसान पहुंचाया, वाहनों को बहा ले गई और खेतों में पानी भर गया।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बागेश्वर जिले की पौसारी ग्राम पंचायत में 6 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग लापता हैं। चमोली के मोपता गांव में एक मकान और गोशाला मलबे में दब गए, जिसमें एक दंपति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ। रुद्रप्रयाग जिले में आधा दर्जन से ज्यादा गांवों को भारी नुकसान हुआ। तलजमन गांव में 30-40 परिवार फंसे हुए हैं, जबकि चेनागढ़ में 4 स्थानीय लोग और 4 नेपाली मजदूर मलबे में फंस गए। कई जगह सड़कें टूटने से बचाव कार्यों में देरी हो रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस मुख्यालय में तोड़फोड़ की

- **राहुल गांधी ने कहा, जितना मारना-तोड़ना है मारो और तोड़ो हम संविधान की रक्षा करते रहेंगे**
- **प्रधानमंत्री के खिलाफ दरभंगा रैली में अपशब्दों के प्रयोग का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस मुख्यालय से सदाकत आश्रम तक मार्च किया और वहां तोड़ फोड़ की।**
- **कांग्रेस ने इस हरकत को भाजपा की हताशा का संकेत बताया और कहा कि सरकार के मंत्री के नेतृत्व में हुआ हमला कायरता पूर्ण हरकत है।**

पटन, 29 अगस्त। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के मामले ने सियासत में हलचल मचा दी है। इस घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह पटना में सड़क पर उतर आए और जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने सदाकत आश्रम तक मार्च किया और राहुल गांधी तथा इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई। भाजपा ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि मंच से प्रधानमंत्री को गाली देना सिर्फ व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला मामला है।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता कुर्जी मोड़ से सदाकत आश्रम तक पैदल मार्च कर आए। वे राहुल गांधी का पुतला दहन करने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उनकी भिड़ंत हो गई। दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के अंदर से एनडीए कार्यकर्ताओं पर पथराव शुरू कर दिया। इस बीच एनडीए के कार्यकर्ता भी उग्र हो गए और उन्होंने जमकर तोड़फोड़ की। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बूझाकर शांत कराया। पुलिस के समझाने के बाद एनडीए के कार्यकर्ता वापस चले गए, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के सामने अशोक राजपथ को जाम कर दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने एनडीए कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि बिना किसी अपराध के भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया और प्रदेश मुख्यालय की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रकों के शीशे भी तोड़े गए और भाजपा उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार की राजधानी पटना में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में की गयी तोड़फोड़ पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि उनकी राह सत्य, अहिंसा और संविधान बचाने की है और इन सब विपरीत स्थितियों के बाद भी वह संविधान रक्षा की अपनी यात्रा जारी रखेंगे।

गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, "सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।"

कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने कहा, मतदाता अधिकार यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता और उनके ख़िलाफ़ उभरती जनभावनाओं से बौखलाकर, भाजपा ने एक बार फिर हमें डराने-धमकाने के लिए अपने गुंडों को छोड़ दिया है। बिहार में पटना के सदाकत आश्रम स्थित हमारे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में राज्य सरकार के एक कैबिनेट मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं के नेतृत्व में हुआ हमला एक कायरतापूर्ण कृत्य है और इस तरह के कृत्य हमें मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के नाम पर चल रहे व्यापक वोट चोरी का पर्दाफ़ाश करने से नहीं रोक सकते। किसी पार्टी कार्यालय पर हमला होना राजनीतिक गुंडागर्दी का निकृष्टतम रूप है और इसे कभी माफ़ नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

2020 में हिंसात्मक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप की टैरिफ नीति से परेशान होकर भारत और चीन दोनों ने 2020 की सीमा झड़पों को पीछे छोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाने और सीमा विवादों पर फिर से बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई। इन घटनाओं के बाद भारत-चीन रिश्तों में सुधार देखा गया है। जल्द ही दोनों देशों के बीच यात्री विमान सेवाएँ शुरू होने वाली हैं। चीन ने भारत को यूरिया सप्लाई पर लगी पाबंदी में ढील दी है। वहीं भारत ने चीनी नागरिकों के लिए कई सालों से रुकी हुई टूरिस्ट वीज़ा सेवा फिर से शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इन रिश्तों की बहाली की वजह ट्रंप की वही टैरिफ नीति बनी, जिसका मकसद पहले चीन और बाद में भारत को सज़ा देना था। मार्च में, जब ट्रंप ने चीनी माल पर टैरिफ दोगुना कर दिया, तो चीन के विदेश मंत्रालय ने दिल्ली से, "दादागिरी और शक्ति की राजनीति" का मिलकर विरोध करने की अपील की। शी जिनपिंग ने खुद कहा था कि "हाथी और ड्रैगन का एक साथ नाचना ही सही रास्ता है।" जुलाई तक आते-आते चीनी अधिकारियों ने हाथी और ड्रैगन की इस उपमा को बार-बार दोहराना शुरू कर दिया। चीन के सरकारी अख़बार ग्लोबल टाइम्स ने तो आगे बढ़कर कहा कि दोनों एशियाई दिग्गजों को अमेरिकी टैरिफ का मुकाबला करने के लिए बैले डांस करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस हफ्ते अपने चीन के दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। वे शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह पिछले सात साल में उनकी पहली चीन यात्रा होगी। पिछली बार दोनों नेता रूस के कज़ान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में एक साथ दिखे थे। शोध संस्था "चाइना-ग्लोबल साउथ प्रोजेक्ट" के संपादक एरिक ओलैंडर ने हाल ही में रॉयटर्स से कहा, शी इस सम्मेलन का इस्तेमाल यह दिखाने के लिए करना चाहेंगे कि अमेरिकी नेतृत्व के बाद की दुनिया कैसी होगी। और यह भी साबित करना चाहेंगे कि जनवरी से अमेरिका ने चीन, ईरान, रूस और अब भारत को घेरने की जो कोशिशें कीं, वे सफल नहीं रहीं। "यह देखिए कि ब्रिक्स ने ट्रंप को कितना परेशान किया है, और यही इन समूहों का असली मकसद है।"

चम्बा की मणिमहेश यात्रा में 7 हज़ार यात्री फंसे

- **हिमाचल में भारी वर्षा से भूस्खलन व मार्ग बाधित होने के कारण तीर्थ यात्री जगह जगह पर फंसे हुए हैं।**

नई दिल्ली, 29 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में चम्बा सहित भरमौर में भारी बारिश ने खूब तबाही मचाई है। भरमौर शेष दुनिया से पूरी तरह से कट चुका है। कई मीटर सड़कें जगह-जगह से टूट गई हैं। दूरसंचार सेवाएं भी कई हिस्सों में बहाल नहीं हो पा रही हैं। मणिमहेश में हजारों यात्री फंसे हुए हैं।

पिछले चार-पांच दिनों से भूस्खलन और लगातार मूसलाधार बारिश होने के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर पैदल ही निकल पड़े हैं। जिला चंबा के भरमौर में इन दिनों प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा चल रही है।

पिछले चार दिनों से मोबाइल नेटवर्क बंद था, जिससे यात्रा में गए यात्रियों का संपर्क उनके परिवार के लोगों के साथ नहीं हो रहा था और वे चिंतित थे। भरमौर में भी मणिमहेश यात्रा में गए लोग भूस्खलन और मार्ग बाधित होने के कारण जगह-जगह फंस गए हैं। चंबा में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। यात्रा पर रोक लगा दी गई है।

मणिमहेश से 3,000 लोग वापस लौट आए हैं, जबकि 7,000 तीर्थ यात्री अभी भी फंसे हुए हैं। श्रद्धालुओं की जानकारी के लिए प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। यह यात्रा हर साल जन्माष्टमी से राधाष्टमी तक आयोजित की जाती है। इस साल, जन्माष्टमी 16 अगस्त को है और राधाष्टमी 31 अगस्त को होगी।

ब्लूटूथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब आठ माह से जेल में बंद है। जांच एजेंसी ने उसके खिलाफ आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। जिसमें ट्रायल पूरी होने में लंबा समय लगने की संभावना है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने इसका विरोध करते हुए बताया कि बीकानेर के नया शहर गंगाशहर में दर्ज एफआईआर के अनुसार परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों से ब्लूटूथ बरामद हुए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि तुलछाराम उन्हें नकल करा रहा था। जांच में आरोप साबित होने पर उसे गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा उसके खिलाफ विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

जापान भारत में 5.98 करोड़ रु. का निवेश करेगा

- **प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के बीच यह घोषणा की गई है जिससे दोनों देशों में आपसी सहयोग के नए युग की शुरूआत हुई।**

टोक्यो/ नयी दिल्ली, 29 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत ने जापान के साथ अपनी विशेष सामरिक तथा वैश्विक भागीदारी के नये अध्याय की नींव रखते हुए अगले दशक के लिए एक रोड़मैप बनाया है और इस दौरान जापान भारत में दस लाख करोड़ येन (5.98 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा।

जापान की दो दिन की यात्रा पर आये मोदी ने शुक्रवार को यहां अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ 15 वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच साझेदारी को वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा, आज हमारी चर्चा सार्थक और उद्देश्यपूर्ण रही। हम दोनों एकमत हैं कि विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्रों के रूप में हमारी साझेदारी केवल दोनों देशों के लिए ही नहीं बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने विशेष सामरिक और वैश्विक साझेदारी में नया अध्याय शुरू करते हुए अगले दशक के लिए रोड़मैप बनाया है जिसके तहत जापान भारत में दस लाख करोड़ येन का निवेश करेगा।

गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब गहलोत सरकार बनी, तो जोशी को विधानसभा अध्यक्ष बना दिया गया, लेकिन सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी से उनकी दूरी बरकरार रही और कोई सुलह नहीं हुई।

अब जोशी यह दलील दे रहे हैं कि राजस्थान में कांग्रेस को ब्राह्मण वोट वापस पाने के लिए एक ब्राह्मण नेता की जरूरत है, और वे खुद को उसी भूमिका में देख रहे हैं।

वेणुगोपाल, जो राहुल गांधी के ग़ैर-पसंदीदा गहलोत और जोशी दोनों को आगे बढ़ा रहे हैं, खुद को एक सशक्त रणनीतिकार साबित करना चाहते हैं - शायद यह दिखाने के लिए कि अगर वह इन दोनों को राहुल की नजर में वापस ला सकते हैं, तो उनकी पकड़ कितनी मजबूत है। या फिर शायद, इसके पीछे कुछ और कारण हैं, जिनकी राहुल गांधी को खबर नहीं?

'क्या रजिस्ट्री को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत में प्रस्तुत नहीं की जा सकती और यह मामले 'मेंटेनेबल' नहीं हैं। पाठकों को बतादें कि याचिका दायर करते समय रजिस्ट्री के पास अधिकार होता है कि वह छोटी-मोटी त्रुटियां, जैसे, गलत 'पेज नम्बरिंग' हो जाना, गलत कानून के तहत याचिका किया जाना या याचिका दायर का 'फॉर्मेट' (प्रारूप) में बनाया जाना इत्यादि, पर आपत्ति जता सकती है और वकील तथा याचिकाकर्ता को त्रुटियों को दूर कर पुनः याचिका दायर करने का अवसर देती है।

हालांकि याचिका की 'मेंटेनेबिलिटी', यानि उस याचिका को अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कानूनी अधिकार तथा उस याचिका को सुनवाई के लिए योग्य करार देने का फैसला न्यायाधीशों के पास ही होता है। इस विषय पर कई अदालतों के पहले ही फैसले आ चुके हैं। न्यायाधीश समीर जैन के समक्ष अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने इसी मुद्दे को उठाते हुए अदालत में कहा कि रजिस्ट्री स्वतः ही यह निर्णय ले रही है कि कौनसी याचिका अदालत द्वारा सुनने के योग्य है, जो कि उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। न्यायाधीश समीर जैन ने कहा कि उन्हें ऐसी ही शिकायतें हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य ने भी दी हैं, और इसी वजह से अदालत हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के सभी सदस्यों को इस मुद्दे पर तर्क और अपना मत प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया है।

द्वितीय विश्व युद्ध से प्रचलित "ग्लोबलाइज़ेशन" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध करने का आ ान किया है। देश के भीतर, उन्होंने वैश्विक व्यापारिक नेताओं के साथ मेल-मिलाप बढ़ाया है और ऐसे आपूर्ति श्रृंखला गठबंधनों को मजबूत किया है जो वॉशिंगटन को दरकिनार करें। हालांकि, उनके ये कदम निस्वार्थ नहीं हैं: चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र बनने या कम से कम अमेरिका का प्रतिद्वंदी बनने-का प्रयास कर रहा है। वैश्वीकरण की रक्षा करते हुए, शी उसे बीजिंग की छवि में ढालना चाहते हैं-राज्य-नियंत्रित, रणनीतिक रूप से संचालित और एशियाई वर्चस्व की ओर झुका हुआ।

नरेन्द्र मोदी के लिए, ट्रंप की टैरिफ नीति भारत पर सीधा आघात है। भारत के रूसी तेल आयात से जुड़ी 50 प्रतिशत की शुल्क वृद्धि को अनुचित और अस्वीकार्य बताते हुए खारिज किया गया है। मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया को राष्ट्रवादी शब्दों में प्रस्तुत किया है, यह वादा किया कि वे किसानों, मछुआरों और छोटे उत्पादकों की रक्षा करेंगे, भले ही इसकी भारी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। उनकी सरकार ने तेजी से व्यापारिक साझेदारियों में विविधता लाने की पहल की है-चीन, जापान और रूस की ओर रुख करते हुए, ताकि अमेरिकी दबाव का मुकाबला किया जा सके। संदेश स्पष्ट है: भारत अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा। शी के विपरीत, मोदी अन्तर्राष्ट्रीयकरण की कहानी के नायक नहीं बनना चाहते, लेकिन उनका प्रतिरोध यह दर्शाता है कि भारत अब बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता पर कायम है।

इन नेताओं की रणनीतियाँ भिन्न हैं, परंतु उनका साझा उद्देश्य स्पष्ट है। तीनों नेता ट्रंप के संरक्षणवाद का विरोध करते हैं और इसे अमेरिकी-केंद्रित व्यापार व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करने वाला मानते हैं। सभी विकल्प तलाश रहे हैं-द्विपक्षीय समझौतों, क्षेत्रीय समूहों या नई आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से-जो वाशिंगटन पर निर्भरता को कम करें। यही वैश्वीकरण को कटघरे में खड़ा करता है। यदि युद्ध के बाद की प्रणाली अमेरिका की मुक्त बाजार की प्रतिबद्धता पर आधारित थी, तो अब उसका विघटन अलग-अलग छितराए हुए ब्लॉक्स और प्रतिस्पर्धी व्यापार व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। मुक्त व्यापार का भविष्य अब बीते तीन दशकों का सीधा विस्तार नहीं होगा। इसके बजाय, यह एक ऐसा विवादास्पद क्षेत्र होगा जहाँ कई शक्तियाँ नए नियम बनाने की कोशिश करेंगी। पुतिन को अराजकता में लाभ दिखता है, शी नेतृत्व का दावा करना चाहते हैं, और मोदी स्वतंत्रता की मांग करते हैं। मिलकर वे एक ऐसे बहुध्रुवीय व्यापार ढांचे के उदय का संकेत देते हैं जहाँ अमेरिका अब बिना चुनौती के शर्तें तय नहीं कर पाएगा।

ट्रंप की टैरिफ नीति आर्थिक राष्ट्रवाद का एक स्थूल उपकरण भले ही लगे, लेकिन इसका गहरा प्रभाव यह है कि यह इस वैश्विक पुनर्गठन को तेज करती है। वैश्वीकरण की पुरानी व्यवस्था अब कटघरे में है, और इसका फैसला शायद वॉशिंगटन में नहीं, बल्कि मास्को, बीजिंग और नई दिल्ली में होगा।

मतदाता सूची ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती बनकर उभर रही है। राज्य प्रशासन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सरकार को आशंका है कि लाखों निवासियों के लिए एक नागरिकता संकट उत्पन्न हो सकता है, जो दशकों से बंगाल में रह रहे हैं लेकिन अब उनकी वैधता पर सवाल उठ सकते हैं। जानकारों का मानना है कि यह स्थिति खासतौर पर 1947 से 1971 के बीच पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से भारत आए प्रवासियों को प्रभावित कर सकती है।

विडंबना यह है कि भाजपा भी इस मुद्दे पर एक नाज़ुक संतुलन बनाए रखने की स्थिति में है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, ऐसे अधिकांश प्रवासी लगभग 98 प्रतिशत हिंदू हैं, जो उत्पीड़न और सामाजिक अस्थिरता से बचने के लिए भारत आए थे। सन् 1947 के बाद से केंद्र की सरकारों, जिनमें भाजपा की सरकारें भी शामिल हैं, ने सार्वजनिक रूप से इन लोगों में भारत में रहने के अधिकार को स्वीकार किया है। ऐसे में अगर इन प्रवासियों को बड़ी संख्या में वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया, तो भाजपा को अपने मुख्य वोट बैंक का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

राज्य में चुनाव नज़दीक आने के साथ ही, मतदाता सूची सत्यापन को लेकर विवाद एक बड़े टकराव में बदल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि दस्तावेजों और सत्यापन की तकनीकी प्रक्रिया से परे, यह मुद्दा बंगाल में लंबे समय से चले आ रहे प्रवास, पहचान और सांप्रदायिक राजनीति के बहस को फिर से ज़ोर पकड़ने वाला है और इस पर भाजपा व तृणमूल दोनों ही जोरदार सियासी लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं।

गहलोत प्रदेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य की पत्नी भी है। गौरतलब है कि निरंजन आर्य का मुख्य सचिव पद पर चयन भी चर्चा का विषय रहा था, क्योंकि वह वरिष्ठता की सूची में 13वें नम्बर पर थे, और आमतौर पर पहले तीन या चार वरिष्ठतम अफसरों में से ही मुख्य सचिव का चयन कर लिया जाता था। परन्तु निरंजन आर्य का मुख्य सचिव पद पर चयनित होने से यह तो सिद्ध हुआ कि वह अशोक गहलोत के करीबी थे, और शायद यही वजह रहीं होगी कि उनकी पत्नी को चुनाव लड़ने के लिए भी कांग्रेस पार्टी से टिकट मिला था।

गहलोत सरकार के दौरान आर.पी.एस.सी. के बोर्ड में सदस्य बने एक और नाम पर भी काफी चर्चा रही थी, वह नाम था कवि कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा। गौर फरमाने योग्य है कि कुमार विश्वास पूर्व में राहुल गांधी के प्रबल आलोचकों में से रहे हैं। इसलिए उनकी ही पत्नी का आर.पी.एस.सी. बोर्ड में चयन किया जाना आमजन के लिए बड़ी अटपटी सी बात लग रही थी।

न्यायाधीश समीर जैन ने अपने आदेश में एस.ओ.जी. की जार्चशीट में दी गई तथ्यों पर बयानों को अंकित करते हुए बताया कि बाबूलाल कटारा 2022 में ही शिक्षक भर्ती ग्रेड-2 के पेपरलीक मामले में भी एफ.आई.आर. में नामजद थे और उन पर आरोप थे कि उन्होंने 7 लाख रुपये में एक अपराधी को पेपर बेचा था, वहीं रामूराम रायका भी, जो एक 'पैनल मेम्बर' थे, उन्होने अपने ही बेटे देवेश रायका और बेटी शोभा रायका के लिए पेपर लीक कराने के लिए बाबूलाल कटारा से ही सम्पर्क किया था।

अदालत के आदेश में इस तथ्य पर भी जोर दिया गया कि देवेश रायका के 'इंटरव्यू' में 28 'मार्क्स' दिए जाने के लिए रामूराम रायका आर.पी.एस.सी. सदस्य मंजू शर्मा और संगीता आर्या से मिलकर समझौता किया था। अदालत ने आदेश में यह भी अंकित किया कि रामूराम रायका अपनी पुत्री शोभा रायका की 'इंटरव्यू' से पहले बाबूलाल कटारा से भी मिले थे, जिन्होंने शोभा को इंटरव्यू में 34 नम्बर दिये थे।

यहां उल्लेखनीय है कि कुमार विश्वास की पत्नी किन कारणवर्ष आर.पी.एस.सी. सदस्य बनी अब यह सवाल हाईकोर्ट के आदेश के बाद और भी प्रबल हो जाते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इसका जवाब कांग्रेस कार्यकर्ता और हाईकमान को ही नहीं बल्कि उन लाखों अभ्यर्थियों को भी जो आर.पी.एस.सी. सदस्यों की वजह से परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए।

पेपरलीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 से सम्बंधित प्रकरण, पुलिस थाना एसओजी जयपुर, वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड-द्वितीय से संबंधित प्रकरण पुलिस थाना बेकरिया जिला उदयपुर व स्कूल व्याख्याता ग्रेड प्रथम से सम्बंधित प्रकरण पुलिस थाना एसओजी जयपुर में वांछित एवं फरार चल रहा था। वांछित विनोद रेवाड़ की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय द्वारा 37 पुलिस एक्ट के तहत वारंट जारी किया और उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम घोषित भी किया गया था।

टोडारायसिंह में एक साथ 60 हजार पौधे लगाने का कीर्तिमान बना

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इस अवसर पर एक विशाल जनसभा को संबोधित किया

टोडारायसिंह/जयपुर, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर "हरियालो राजस्थान" अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। इस वर्ष हमनें 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। हमारी सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी।

शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में "एक पेड़ मां के नाम" एवं "हरियालो राजस्थान" के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्त्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। इसी तरह, हमारी सरकार 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और अब तक 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 20 करोड़ रुपये की लागत से मालपुरा से देवली तक सड़क के चौड़ाईकरण कार्य, 25 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से उनियारा खुर्द से किशनपुरा तक सड़क निर्माण कार्य सहित कई कार्यों का शिलान्यास किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सिन्दूर का पौधा लगाया। कार्यक्रम में एक साथ 60 हजार पौधे लगाकर कीर्तिमान रचा गया।

इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक के टोडारायसिंह में "एक पेड़ मां के नाम" एवं "हरियालो राजस्थान" के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अरावली पर्वत माला के संरक्षण के लिये 250 करोड़ रुपए की अरावली विकास परियोजना बनाई है। मानसून में 19 अरावली जिलों में 32 हजार हैक्टेयर में वृक्षारोपण कर रहे हैं।**

बिहार एस आई आर पर एक सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नयी दिल्ली, 29 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित याचिकाओं पर एक सितंबर को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति व्यक्त की जिनमें दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गयी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा औपचारिक अनुरोध के बाद मामले की सुनवाई को सोमवार के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया।

- **सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एस आई आर पर प्रशांत भूषण द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश दिया।**

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कई अन्य राजनीतिक दल मसौदा मतदाता सूची पर दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की एक सितंबर की समय सीमा बढ़ाने की मांग करते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुके हैं। जब पीठ ने पूछा कि याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग से संपर्क क्यों नहीं किया तो भूषण ने जवाब दिया कि इस तरह के अनुरोध पहले ही किए जा चुके हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908